Subject Political Science

Abdul Qavi

जॉन लॉक का सामाजिक समझौता

थामस हॉब्स की तरह ही लॉक अपने चिंतन का आरंभ मानव स्वभाव के विश्लेषण से शुरू करता है। वह हॉब्स के विपरीत मानव स्वभाव में सकारात्मक गुणों का दर्शन करते हुए लिखता है कि मनुष्य स्वभाव से दयालु, शांतिप्रिय, सहिष्णु, करुणामय, प्रेम से भरा हुआ विवेकशील प्राणी है। लॉक के इस विश्लेषण से हॉब्स के मानव संबंधी एकरेखीय चिंतन पर प्रश्न खड़ा होता है। लॉक सामाजिक समझौते से पूर्व एक प्राकृतिक अवस्था का उल्लेख करता है जिसमे मनुष्यों को कुछ प्राकृतिक अधिकार प्राप्त थे तथा उसका जीवन प्राकृतिक विधियों द्वारा संचालित होता था। इस आदिम अवस्था में सभी मनुष्य बराबर थे। प्राकृतिक अवस्था समानता की अवस्था थी क्योंकि प्रत्येक मनुष्य में विवेक/बुद्धि उपस्थित थी। यहाँ यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि जन्म से ही पूर्ण समानता की अवस्था नहीं प्राप्त होती बल्कि यह तब प्राप्त होती है जब मनुष्य की बुद्धि प्राकृतिक विधियों को समझने के स्तर तक विकसित हो जाती है।

प्राकृतिक अवस्था में मनुष्य अपने आचरण को प्राकृतिक नियमों के अनुसार निर्धारित करते हैं। प्राकृतिक नियम मनुष्य को यह बताते हैं कि वह समान एवं स्वतंत्र है, ऐसे अधिकार अन्य मनुष्यों के है इसलिए इनके उपभोग में किसी प्रकार की बाधा नहीं पहुँचानी चाहिए।

लॉक के चिंतन में प्राकृतिक अधिकार :⇒ प्राकृतिक अवस्था मे प्रत्येक व्यक्ति को कुछ प्राकृतिक अधिकार प्राप्त थे जिनका वह उपभोग करता था। लॉक तीन प्राकृतिक अधिकारों का उल्लेख करता है, जीवन, स्वतंत्रता तथा सम्पत्ति। यहाँ प्राकृतिक अधिकार को स्पष्ट करना आवश्यक है, वह अधिकार जो प्रकृति प्रदत्त होते हैं तथा व्यक्ति को जन्म से प्राप्त होते हैं उन्हे प्राकृतिक अधिकार कहते है इसमे राज्य की कोई भूमिका नहीं होती है, राज्य न तो इन अधिकारों को प्रदान करता है न ही इन्हे छीन सकता है। पहला अधिकार जीवन का अधिकार है, प्रत्येक मनुष्य जीवन के अधिकार की रक्षा के लिए

Scanned with CamScanner

जो कुछ आवश्यक समझता है उसे करने का अधिकार उसके पास है। यहाँ लॉक का विचार हॉब्स के विचार से पूरी तरह मेल खाता है। दूसरा प्राकृतिक अधिकार है स्वतंत्रता का अधिकार, लॉक के चिंतन में स्वतंत्रता का अधिकार असीमित नहीं है, यह प्राकृतिक नियमों के द्वारा निश्चित तथा नियंत्रित होता है। जहाँ हॉब्स द्वारा प्रतिपादित प्राकृतिक अवस्था में असीमित स्वतंत्रता का उपभोग करता था वहीं लॉक का मनुष्य नियंत्रित स्वतंत्रता का उपभोग करता है। स्वतंत्रता के प्राकृतिक अधिकार का निश्चित एवं नियंत्रित होना ही मनुष्य को पशुओं से अलग करता है। तीसरा प्राकृतिक अधिकार है सम्पत्ति का अधिकार जो उपर्युक्त दोनों अधिकारों से ज्यादा व्यापक है। जहाँ हॉब्स अपने चिंतन में सम्पत्ति की बात राज्य की स्थापना के बाद करता है वहीं लॉक इसे राज्य की स्थापना से पूर्व एक प्राकृतिक अधिकार के रूप में वर्णित करता है। लॉक कहता है ईश्वर/प्रकृति ने संसार की सभी वस्तुएं सभी मनुष्यों के लिए बनाई है, इसलिए आरंभ में व्यक्तिगत सम्पत्ति का अभाव था लेकिन जैसे ही कोई मनुष्य प्रकृति प्रदत्त किसी वस्तु में अपना श्रम मिला देता है तब वह वस्तु उसकी व्यक्तिगत संपत्ति हो जाती है। उदाहरणार्थ, वृक्षों में फल लगते हैं, नदी में मछली या वनों में हिरण किसी की व्यक्तिगत सम्पत्ति नहीं है लेकिन यदि कोई मनुष्य अपने श्रम से फल तोड़ लेता है, मछली पकड़ लेता है या हिरण का शिकार कर लेता है तो यह उसकी सम्पत्ति होगी। इस प्रकार लॉक के चिंतन में व्यक्तिगत सम्पत्ति का आधार मनुष्य का श्रम है।

सामाजिक समझौते का कारण :=> लॉक ने मानव स्वभाव का विश्लेषण करते हुए जिस प्राकृतिक अवस्था का वर्णन किया है वह मानव जीवन की उन्नत दशा को प्रदर्शित करता है। सवाल यह उठता है कि जब यह अवस्था इतनी उत्कृष्ट थी तो समझौते की आवश्यकता क्यों पड़ी? चूंकि प्राकृतिक अवस्था में मनुष्य प्राकृतिक कानूनों द्वारा नियंत्रित एवं निर्देशित होता था जिसकी कोई स्पष्ट व्याख्या नहीं थी। प्राकृतिक नियमों के उल्लंघन पर दण्ड का प्रावधान था लेकिन प्रत्येक मनुष्य अपने मामले में स्वयं ही न्यायाधीश बन जाता एवं पक्षपातपूर्ण निर्णय करता, दण्ड देने की कोई स्पष्ट

Scanned with CamScanner

व्यवस्था नहीं थी। आधुनिक अर्थों में कहें तो व्यवस्थापिका, कार्यपालिका तथा न्यायपालिका जैसी संस्थाओं का अभाव था जिसके कारण मनुष्य प्राकृतिक अधिकारों का उपभोग नहीं कर पा रहा था। इन कठिनाइयों को दूर करने के लिए मनुष्यों ने आपस में मिलकर दो समझौते किये। पहले समझौते के द्वारा समाज तथा दूसरे समझौते द्वारा राज्य की स्थापना हुई। लॉक राज्य के स्थान पर न्यास या Trust शब्द का प्रयोग करता है। यहाँ हॉब्स तथा लॉक के समझौते से उत्पन्न सम्प्रभुओं की तुलना करना आवश्यक है। हॉब्स के समझौते में सभी व्यक्ति अपने समस्त अधिकार Levithan (सम्प्रभु) को सौंप देते हैं लेकिन लॉक के समझौते में व्यक्ति केवल प्राकृतिक विधियों के निष्पादन का अधिकार तथा प्राकृतिक अधिकारों की सुरक्षा का उत्तरदायित्व सम्प्रभु को सौंपते हैं, अगर सम्प्रभु अपने निर्धारित कर्तव्यों के निर्वहन में असफल हो जाता है तो उसके स्थान पर दूसरे सम्प्रभु को स्थापित किया जाएगा। इस प्रकार लॉक सीमित सम्प्रभु की स्थापना करता है वहीं हॉब्स का सम्प्रभु असीम है। एक बार अस्तित्व में आने के बाद उसे उसके पद से हटाया नहीं जा सकता है। इस प्रकार लॉक प्राकृतिक अधिकारों तथा सीमित सम्प्रभु संबंधी विचारों का प्रतिपादन कर आधुनिक लोकतंत्र के लिए नींव तैयार करता है।

Scanned with CamScanner